बर्षः- 06
अंकः- 40
मुरादाबाद
(Sunday)
31 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सूर्या हत्याकांड पर गरमाई सियासतः मायावती बोलीं- घटना चिंताजनक; डिप्टी सीएम ने कहा- हत्यारा छोड़ा नहीं जाएगा

खोड़ा में 11वीं के छात्र सूर्या की चाकू मारकर हत्या हुई। आरोप दोस्त असद और उसके साथियों पर है। इस मामले में मायावती और केशव प्रसाद मौर्य ने कठोर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।गाजियाबाद जिले में ईद पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र सूर्या की हत्या मामले में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मायावती ने एक्स पर लिखा, %यूपी के जिला गाजियाबाद में खोड़ा के एक नौजवान युवक सूर्या चौहान की हुई हत्या की घटना अति दुखद व चिंताजनक है। इस प्रकार की आए दिन हो रही घटनाओं की रोकथाम के लिए शासन व प्रशासन को सही कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान करके उन्हें कानूनी सजा जरूर दी जाए।उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, %हत्यारा कोई भी हो उसे छोड़ा नहीं जाएगा। उसे खोज निकाला जाएगा। हत्या करने वालों को फांसी पर चढ़ाने के लिए जो कार्रवाई होती है वो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर है। जिन लोगों ने ऐसा अपराध किया है उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।%यह है मामला- उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ईद के त्योहार पर खोड़ा थाना क्षेत्र की नवनीत विहार कॉलोनी में 11वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमला सूर्या के दोस्त असद और उसके साथियों ने किया। सूर्या को पहले पेट में चाकू मारा गया। इसके बाद वह चाकू लगे हालत में करीब 200 मीटर तक जान बचाने के लिए भागा। आरोपियों ने पीछा कर उसे गिरा दिया और पेट से चाकू निकालकर दोबारा कई बार वार किए। उपचार के दौरान शुक्रवार को सूर्या ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।मृतक के भाई यश चौहान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका परिवार मूलरूप से एटा के सुखवाबाद का रहने वाला है और खोड़ा में मां, बहन और भाई सूर्या के साथ रहता है। पिता कौशलेंद्र का पहले ही निधन हो चुका है। सूर्या 11वीं का छात्र था। बृहस्पतिवार को सूर्या अपने दो दोस्तों विक्की और आयुष के साथ घर के पास घूम रहा था। उसी दौरान असद ने सूर्या को फोन कर बकरीद पर मिलने के लिए गली नंबर दो में बुलाया। सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद के घर की ओर चल दिया।गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र के नवनीत विहार कॉलोनी गली नंबर-एक में रहने वाले सूर्या (17) का शव पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को दोपहर करीब 1ः30 बजे घर पहुंचा। शव के पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग इलाके में एकत्र हो गए। पीड़ित परिवार ने आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की है। सूर्या की मां सरोज ठाकुर ने बताया जितने भी आरोपी थे, उन सभी को क्षेत्र में ही एनकाउंटर में मार गिराना होगा। अगर पुलिस यह कार्रवाई नहीं करती है, तब तक शव को घर के सामने से नहीं उठने देंगे। वहीं मौके पर मौजूद हिंदू संगठन व राजनीतिक लोगों ने भी एनकाउंटर की मांग की है। क्षेत्र में भारी तनाव, फोर्स तैनात- हत्या की वारदात सामने आने के बाद से क्षेत्र में लगातार तनाव का माहौल बना हुआ है। शुक्रवार से ही यहां पुलिस बल तैनात है, वहीं शनिवार को भी पुलिस ने नवनीत विहार की तरफ आने वाली गली में बेरिकेडिंग कर कई थानों के फोर्स को पूरे इलाके में तैनात किया है। मौके पर डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल, एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना और एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी मौजूद हैं।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी मुकदमों पर सुप्रीम सख्ती, पति पर लगे दुष्कर्म समेत 10 केस किए खारिज

अदालत ने कहा कि सामान्य और व्यापक आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति को आपराधिक मुकदमे का सामना करने के लिए मजबूर करना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में बच्चों को भी खींचा जा रहा है और कई मामलों में उन्हें पिता तथा उनके परिवार के खिलाफ इस्तेमाल किया जाता है।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (29 मई) को वैवाहिक विवादों में झूठे और दुर्भावनापूर्ण आपराधिक मामलों के बढ़ते चलन पर कड़ी चिंता जताई। अदालत ने कहा कि अदालतों और वकीलों दोनों की जिम्मेदारी है कि वे व्यक्तिगत रंजिश निकालने के लिए आपराधिक कानून के दुरुपयोग को हतोत्साहित करें।न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज 10 से अधिक आपराधिक मामलों को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। इन मामलों में पॉक्सो कानून और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दुष्कर्म के आरोप भी शामिल थे।अदालत ने टिप्पणी की कि, वैवाहिक विवादों के क्षेत्र में तुच्छ और झूठे आरोपों पर आधारित दुर्भावनापूर्ण मुकदमों को न्यायालयों और बार के सदस्यों द्वारा हतोत्साहित किया जाना चाहिए। अधिवक्ताओं को अपने मुवक्किलों को जीवनसाथी के खिलाफ तुच्छ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के बजाय ऐसा न करने की सलाह देनी चाहिए।वकीलों की सामाजिक जिम्मेदारी का किया जिक्र

दावे विश्वगुरु के, लेकिन एक भी परीक्षा भी नहीं करा सकते, अब CUET को लेकर राहुल गांधी का पीएम पर तंज

एनटीए ने शनिवार को बताया कि देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा आज कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी मामले पर अब केंद्र सरकार के घेरते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरु बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है।राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई।पीएम मोदी पर साधा निशाना
कांग्रेस नेता ने एक्स पर कहा, नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के अंदर एक भी परीक्षा ढंग से आयोजित नहीं हो पा रही है। वहीं, वश्वगुरु बनने के दावे किए जा रहे हैं।
उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता आगे कहा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की। पहले भी बोला था सियासी हमला- राहुल गांधी ने इससे पहले उन छात्रों के साथ अपनी एक बातचीत का वीडियो भी साझा किया था, जिन्होंने नीट परीक्षा दी थी और पेपर लीक की घटनाओं के मद्देनजर परीक्षा प्रणाली को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं।
उन्होंने कहा था कि नीट छात्रों से मुलाकात में एक बात बिल्कुल साफ हो गई - भारत का युवा नरेंद्र मोदी पर भरोसा नहीं करता। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, उन्होंने मुझे बताया - पेपर वॉट्सएप और टेलीग्राम पर खुलेआम बिक रहे हैं। किस कीमत पर बिक रहे हैं, कौन खरीद रहा है, माफिया कैसे काम कर रहे हैं - यह सब इन बच्चों को पता है। उनका एक ही सवाल था - जो हमें पता है, वो सरकार और संस्थाओं को क्यों नहीं? सच यह है ये बच्चे सरकार से बेहतर जानते हैं कि इस सड़ी हुई व्यवस्था को कैसे ठीक किया जा सकता है।

मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कॉकरोच जनता पार्टी को बताया नकारात्मक एजेंडा, विपक्ष पर साधा निशाना

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र चौधरी शनिवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने यहां सर्किट हाउस में विभागीय समीक्षा की। इस दौरान पत्रकार वार्ता में भूपेंद्र चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधा। एक सवाल के जवाब में कॉकरोच जनता पार्टी को नकारात्मक एजेंडा बताया। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने शनिवार को बरेली के सर्किट हाउस में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जनकल्याणकारी और स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति पर अफसरों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बरेली मंडल के संयुक्त आयुक्त उद्योग और सभी जिलों के उपायुक्त उद्योग उपस्थित रहे। मंत्री ने युवाओं को रोजगार सृजक बनाने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं की प्रतिभा को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। सरकार उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। नीट पेपर लीक मामले पर भूपेंद्र चौधरी ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई मामले की जांच कर रही है। दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में पुनरावृत्ति न हो।विपक्ष पर साधा निशाना- कॉकरोच जनता पार्टी के सवाल पर मंत्री ने इसे नकारात्मक एजेंडा बताया। उन्होंने कहा कि यह लोगों को गुमराह करने का प्रयास है। देश की जनता सजग है और ऐसी राजनीति करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। यह भी कहा कि सरकार ने विकास यात्रा को तेजी से आगे बढ़ाया है, जिससे विपक्ष हताश है।

फोर्स बुला लो, खाली नहीं करेंगे, सरकारी आवास छोड़ने के नोटिस पर राबड़ी देवी का जवाब

बिहार सरकार के भवन निर्माण विभागने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को आवंटित सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया है। अब इस मामले पर सियासत गरमा गई है। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने इस मामले में बड़ा बयान दिया है।बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को आवंटित सरकारी आवास को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने उन्हें सर्कुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 खाली करने का निर्देश दिया था। अब इस मामले में सियासत गरमा गई है। शनिवार दोपहर पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान राबड़ी देवी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि फोर्स बुलाकर खाली करा लें। अगर सरकार को जगह खाली करानी है तो प्रशासन और फोर्स का इस्तेमाल करे, लेकिन हम अपनी जगह खाली नहीं करेंगे। बता दें कि लालू प्रसाद अपने परिवार के साथ फिलहाल सर्कुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 में रहते हैं। भवन निर्माण विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि 25 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत नेता प्रतिपक्ष के लिए हार्डिंग रोड स्थित आवास संख्या-39 आवंटित किया गया था। विभाग का कहना है कि नया आवास उपलब्ध कराए जाने के बावजूद राबड़ी देवी ने अब तक सर्कुलर रोड स्थित आवास संख्या-10 खाली नहीं किया है।विभागीय पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि 27 मई 2026 को जारी आदेश के तहत उक्त आवास डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित किया जा चुका है। ऐसे में नए आवंटन को प्रभावी बनाने के लिए आवास संख्या-10 को शीघ्र खाली कराना आवश्यक है। संयुक्त सचिव-सह-भू-संपदा पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इस प्रस्ताव को सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति प्राप्त है। विभाग ने नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी से अनुरोध किया है कि आवास खाली कराने की कार्रवाई जल्द सुनिश्चित की जाए।

संपादकीय Editorial

Sukhu in Children's Curriculum

If a state's Chief Minister's engagements include schools, it's a heartening message. Himachal Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu is constantly patrolling schools, fielding questions from children. Clearly, within this program, students themselves are providing feedback and suggestions on education. It's a different matter that governments are accustomed to making decisions, but here, children are creating their own curriculum. If children in Nerwa want to learn foreign languages, the seeds of a "global identity" have reached Himachal's government schools. If students studying IT are demanding job training, the ambition of a generation has moved on to the next level. Clearly, the current government wants to change school conditions, student attendance, and exam results. In this context, a vision for continuous improvement has been developed. Unnecessary schools were identified because evidence of inadequacy was found. The government structure alone cannot provide information about the school of the future, so the participation of students and parents in the environment is being tested. If Nerwa School is being allowed to speak to the government itself, then the children's questions aren't trivial. If they want to raise the educational level of MLAs, then this is a fundamental question. Why are exams merely a means to access government jobs, and why aren't some basic educational level mentioned in the requirements for contesting elections? If children are allowed to speak, then questions will also be raised about political personalities. In the Nerwa School premises, the children were able to ask so many questions with originality and independence, which even the media doesn't ask anymore. Politics, in its practice, views journalism as an arena, but here, the student community was given ample opportunity to speak, and the questions went beyond the cleanliness and condition of public toilets to the traffic jams on the roads. However, the Chief Minister's school visit is advocating for the students' confidence. On the other hand, it is also being examined what the reality of the changes he has implemented is. To foster deep reflection on students' personality development in schools, Himachal's concerns, extra-academic behavior and social etiquette, motivation to progress in life, and the relevance of learning, it is essential to change the perspective of government schools and create an energetic environment. The Sukhu government has fostered a sense of quality by broadening the scope of thinking and acknowledging the relevance of education, opening a new foundation for the education system. The discovery that government schools can establish standards under the CBSE is energizing the entire department. Teachers who have left their regular classrooms and entered the competition to certify themselves in accordance with the CBSE will only see improvement. Furthermore, if the government intends to improve the standards of 300 schools under the School Education Board, a class has been set up for the first time to challenge private schools. However, the educational landscape is being measured through informal conversations. To transform any school, hospital, or departmental office into an institution, it's essential that the environment there embodies all the qualities of trustworthiness, self-confidence, motivation, encouragement, accountability, transparency, and competition. Clearly, the Chief Minister will need to implement a similar direct feedback system for healthcare institutions. If suggestions are sought from consumers, not just ordinary employees, to improve the Himachal Road Transport Corporation or other loss-making corporations, these public enterprises will also be able to protect their vitals.

The Meaning of Women at the Top

This is the land of social reformers like Raja Rammohan Roy, where they led movements against the practice of Sati and child marriage, and in support of widow remarriage and women's education. Women leaders also practice nepotism and corruption. The violence after the Bengal elections exposed the plight of women. Can women in power change the old order? Mamata Banerjee is in trouble after her defeat in Bengal. Her own allies are turning against her. Mamata is demonstrating how leaders who always invoke the Constitution and democracy refrain from resorting to lies when election results are not in their favor. Why do leaders assume that a state is their personal fiefdom and they will remain there forever? Two strands of debate are circulating regarding Mamata's defeat. One side claims that her defeat was due to her party's hooliganism, dictatorial policies, extortion, corruption, and Hindu anger. The other side claims that her defeat has ended democracy in the country, and fascism has arrived. Those who harp on fascism don't mention whether they could have spoken so much during the Emergency or under the regimes of Hitler, Mussolini, Mao, Stalin, Xi Jinping, Kim Il Sung, and Kim Il Jong, among others. They could have written whatever they wanted on digital media. This author witnessed the Emergency, where anyone could be arrested without any investigation, and their whereabouts were never known. The Emergency was also imposed by a woman leader, Indira Gandhi. Many supporters of democracy were stunned then. Government officials were regularly stationed in television, radio, and newspapers, monitoring every news item. Only then could it be published or broadcast. Mayawati, the Chief Minister of Uttar Pradesh, significantly improved the law and order situation in the state, but she too faced corruption charges, though they were never proven. Like Mamata Banerjee a few years ago, she also appointed her nephew as her successor. When Jayalalithaa came to power in Tamil Nadu, her close friend Sasikala became dominant. Jayalalithaa also faced numerous allegations of corruption. She was the first Chief Minister to be imprisoned while in office. While Sheila Dikshit was Chief Minister of Delhi, she certainly contributed significantly to the development of Delhi's infrastructure, but she too faced allegations of corruption. She also tried to promote her son. Lalu Prasad Yadav appointed his wife, Rabri Devi, as Chief Minister of Bihar. She too has been accused of involvement in the land-for-jobs and IRCTC scams. The trial is ongoing. Her successors have been Tejashwi Yadav and Misa Bharti. Why is it that, upon reaching the top, many women find the path they challenged convenient. Why don't they find anyone else worthy of a successor other than their own relatives? How important is the idea that women alone can save the world from destruction? They too are part of this patriarchal society, so knowingly or unknowingly they adopt the same practices. So, what changes do they make while at the top? The saying goes, "Absolute power corrupts absolutely," or the Hindi proverb, "How wise can one even enter a kohl room?" These seem true. It's often said that if women reach the pinnacle of power, they can change people's destinies, because they are not corrupt. They take initiatives to improve water, sanitation, nutrition, schools, roads, and so on. Many women village heads are often published about how they have transformed villages through their efforts. We are often compared to other countries, saying, "Look how good it is there," but in America, a criminal is neither a woman nor a man; they are simply a criminal. There is no rule that male police officers cannot apprehend a female criminal. Nor, unlike in India, is there a rule that a female criminal cannot generally be apprehended after sunset. There, neither being a woman matters in criminal cases, nor does the question of color, language, region, or province arise. In our country, as soon as someone commits a crime, their caste, gender, religion, and language are considered. Ever since the Bengal elections, I've seen countless horrific videos and reels. Women there report that their husbands and sons were dragged from their homes and killed in front of them over trivial matters. Rape of girls, kidnapping, seizure of homes and land, and the removal of cattle were commonplace. The police offered no assistance. Some women said that during elections, white saris were sent to their homes, warning them to wear them if they didn't vote for them. This meant they would become widows. Isn't it surprising to see how tragic it is to be a widow in Bengal even today? Most of the widows in Vrindavan come from Bengal. Their families abandon them there. This is the land of social reformers like Raja Rammohan Roy, where he led movements against the practice of Sati and child marriage, and in support of widow remarriage and women's education.

Change in Karnataka

Siddaramaiah, who agreed to resign, admitted that he had done as the high command asked, but he was not willing to enter the Rajya Sabha. Siddaramaiah resigned as Chief Minister of Karnataka. DK Shivakumar will now become the new Chief Minister of Karnataka. Questions have arisen within the Congress party regarding the two-and-a-half-year agreement. Finally, Karnataka Chief Minister Siddaramaiah resigned, paving the way for Deputy Chief Minister DK Shivakumar to succeed him. A leadership change in Karnataka had been discussed for a long time and there was ongoing tussle, but nothing was finalized. Shivakumar claimed that at the time of government formation in 2023, he and Siddaramaiah had agreed to hold power for two-and-a-half years each, but the Congress leadership did not confirm this. The leadership change now, three years later, indicates that the two leaders had indeed reached an agreement to take turns as Chief Minister, and the Congress high command was aware of this. If so, why the six-month delay? This question reflects a failure on the part of the Congress leadership, and especially Rahul Gandhi. This is all the more so because it is being said that the leadership change was ensured only when Priyanka Gandhi intervened. If this is true, then the old question will arise again: why is Rahul Gandhi unable to take timely decisions? It should be noted that Mallikarjun Kharge may be the Congress President, but it is Rahul Gandhi who takes the major decisions of the party. Siddaramaiah, who agreed to resign, admitted that he did as the high command asked, but he was not ready to enter the Rajya Sabha. In a way, he sent a message to the Congress leadership that he was not satisfied and would pursue state politics according to his own wishes. Although Shivakumar touched his feet and sought his blessings upon his resignation, it is difficult to say that their relationship will remain normal and factionalism will not be encouraged in the Karnataka Congress. It should not be overlooked that similar tussles have previously occurred in Rajasthan and Chhattisgarh over alternating leadership. In Rajasthan, tensions continued between Ashok Gehlot and Sachin Pilot over the two-and-a-half-year tenures, and in Chhattisgarh, tensions continued between Bhupesh Baghel and TS Singh Deo. The Congress leadership was unable to resolve the feud between its leaders in these two states, nor was it able to clarify whether they had reached an agreement to serve as Chief Ministers for two and a half years each. In Punjab, it forced Chief Minister Amarinder Singh to resign to appease Navjot Singh Sidhu, resulting in factionalism that led to a crushing defeat for the party. Congress failed to salvage Rajasthan and Chhattisgarh either. Only the assembly elections in two years will tell what will happen in Karnataka.

The failure of the entire system

At least in this case, it must be said, "Long live the media trial." It's clear that when all three pillars of the system begin to disappoint, the fourth pillar emerges as a ray of hope. The failures of the police, administration, and judiciary were exposed. Media intervention moved the case in the right direction. Questions were raised about the disregard for dowry laws. The manner in which the Madhya Pradesh government, Bhopal police, and judicial officials handled the case of Twisha Sharma's death is a sign of the failure of all organs of the state system: the elected government, the police administration, and the subordinate judiciary. Had the media not intervened, the collusion between these organs would have completely destroyed citizens' trust in the entire system. It is shameful to witness such a collapse of the system even after 80 years of independence. The death of the beautiful actress Twisha Sharma under suspicious circumstances has raised many questions. For example, despite her death on May 12th, the police did not even register an FIR until May 15th. Twisha's mother-in-law, Giribala Singh, is a retired judge, and her husband, Samarth Singh, is a lawyer. While the FIR was delayed, Giribala Singh not only easily obtained anticipatory bail but also was given unrestricted access to the crime scene. It's good that the High Court rejected her bail and the CBI arrested her, but before that, she had the freedom to examine all the evidence at her own convenience. She also made phone calls to various officials in the police and judicial system, including the Lokayukta, a DG-rank police officer, and a district judge. It's rare to recall another instance where a judge has granted such free rein to a potential accused in a case to tamper with evidence. Samarth Singh also went underground for nearly ten days. When the issue gained traction in the media, the Chief Minister agreed to meet Twisha's family, and the case was handed over to the CBI for investigation. However, this only happened until May 25th. The state even agreed to a second post-mortem, but only on May 24th, 12 days after the death. The police's laxity in this entire case and the anticipatory bail granted to the mother-in-law should shock the conscience of anyone familiar with the intricacies of cruelty against women in in-laws' homes and the Dowry Prohibition Act. Section 117 of the Indian Evidence Act (BSA) (formerly Section 113A of the Indian Evidence Act) clearly states, "When a question arises in relation to the suicide of a woman within seven years of her marriage as to whether her suicide was the result of provocation or cruelty by her husband or any of his relatives, the Court may, after taking all the circumstances into account, presume that the suicide was the result of provocation by her husband or any of his relatives." Section 118 of the Indian Evidence Act is even more clear and effective. According to it, "When the question is whether a person has committed the murder of a woman for dowry and, immediately before her death, such woman was subjected to cruelty or harassment by that person for or in connection with any demand for dowry, the court shall be bound to hold that the same person is responsible for the dowry murder." The increasing number of dowry deaths in the country led Parliament to amend the law and make it more stringent in the 1980s. Section 85 of the newly enacted Indian Penal Code also provides for imprisonment of up to three years for a husband or a relative of a husband who subjects a woman to cruelty. Similarly, Section 86 defines "cruelty."

ठाकुरद्वारा में वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, पति-पत्नी की मौत; दादा-पोती गंभीर घायल

ठाकुरद्वारा में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार परिवार सड़क पर जा गिरा। इसमें दंपती की मौत हा गई। इसके अलावा दादा और पोती गंभीर जख्मी हैं। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।ठाकुरद्वारा-करनपुर मार्ग पर रानी नांगल के पास वाहन की टक्कर से बाइक सवार परिवार हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में गांव अब्दुलापुर निवासी सानिव और उनकी पत्नी खैरुल निशा की मौत हो गई।पिता तसब्बुर और पुत्री जिया गंभीर रूप से घायल हैं। परिजनों ने बताया कि बाइक पर सवार होकर परिवार किसी काम से जा रहा था। रानी नांगल के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने सानिव और उनकी पत्नी खैरुल निशा को मृत घोषित कर दिया।तसब्बुर और जिया का उपचार चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय सपा विधायक नवाब जान खां अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दुर्घटना पर गहरा दुख जताया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

चाइनीज मांझा फिर बना हादसे की वजह, मासूम बच्ची की गर्दन कटी, लगाने पड़े 50 टांके

पिता के साथ बाइक पर ईद के मेले जा रही बच्ची आई चाइनीज मांझे की चपेट में- चाइनीज मांझे की वजह से सिलसिला सख्ती के चाइनीज चोरी छिपे ही रहा है। इस खतरनाक मासूम बच्ची में पड़ गई। की वजह से सिलसिला सख्ती के

हादसों की जारी है। लाख बावजूद धड़ल्ले से मांझा बाजार में सही मगर बिक बार रामपुर में मांझे की वजह से की जान आफत चाइनीज मांझे हादसों की जारी है। लाख बावजूद धड़ल्ले से चाइनीज मांझा बाजार में चोरी छिपे ही सही मगर बिक रहा है। इस बार रामपुर में खतरनाक मांझे की वजह से मासूम बच्ची की जान आफत में पड़ गई। बाइक पर हुआ हादसा- घटना शुक्रवार देर शाम बावनपुरी इलाके की है। चाइनीज मांझे की चपेट में आकर चार वर्षीय बच्ची की गर्दन कट गई। बाइक सवार बच्ची अपने पिता के साथ आगे बैठी थी। इसी दौरान हादसा हो गया। आनन फानन में बच्ची को डॉक्टर के यहां ले जाया गया। परिवार ने चाइनीज मांझा बेचने वालों और मांझे से पतंग उड़ाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।ईद का मेला देखने जा रही थी बच्ची- मुंबई के व्यापारी तारिक खान मजार शाह बगदादी रामपुर में अपने घर ईद की छुट्टियां मनाने आए थे। शुक्रवार को वह अपने परिवार के साथ ईद के मेले जा रहे थे। बिलासपुर गेट पर बाइक में पेट्रोल डलवाकर जब लौटे तो चाइनीज मांझे से बच्ची सारा खान की गर्दन कट गई। पास के क्लीनिक पर बच्ची का इलाज कराया गया, जहां उसकी गर्दन में 50 टांके आए हैं। हालांकि डॉक्टरों ने बच्ची को खतरे से बाहर बताया है।

UP में निजी जिमों के लिए नए नियम लागू: बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चलेंगे फिटनेस सेंटर, CCTV और महिला ट्रेनर अनिवार्य

जिम संचालकों पर दुष्कर्म के मामलों के बाद यूपी सरकार ने निजी जिमों और फिटनेस सेंटरों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब पंजीकरण, सीसीटीवी, महिला ट्रेनर और पुलिस सत्यापन अनिवार्य होगा, उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।जिले में बिना पंजीकरण और सुरक्षा मानकों के चल रहे निजी जिम, फिटनेस सेंटर, स्पोर्ट्स क्लब और स्विमिंग पूल पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है। हाल ही में शहर के हिमगिरी स्थित जिम संचालक पर दुष्कर्म और ब्लैक मेलिंग का मुकदमा दर्ज होने के बाद जिले में निजी जिमों की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। वहीं बरेली में भी एक निजी जिम संचालक और उसके भाई पर महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म, ब्लैक मेलिंग और रुपये वसूलने के आरोप सामने आए हैं। इन घटनाओं के बाद सरकार ने महिला सुरक्षा और जिमों की निगरानी को लेकर सख्त नियम लागू करने की तैयारी तेज कर दी है। नियम के तहत अब खेल विभाग जिम, फिटनेस सेंटर और स्पोर्ट्स क्लबों पर सख्त निगरानी करेगा। नए प्रस्ताव के तहत अब हर जिम में सीसीटीवी कैमरे, महिला ट्रेनर और कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा।बिना पंजीकरण संचालित जिमों पर कार्रवाई के साथ सीलिंग भी की जा सकेगी। खेल विभाग ने ऐसे संस्थानों को सीधे अपने नियंत्रण में लाने का फैसला किया है। नए प्रस्ताव के तहत अब प्रदेश के हर व्यावसायिक जिम और फिटनेस सेंटर को जिला खेल अधिकारी से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और पंजीकरण लेना अनिवार्य होगा।बिना मान्यता के संचालित जिमों पर कानूनी कार्रवाई के साथ सीलिंग की तलवार लटक गई है। प्रदेश सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ते निजी जिमों में सुरक्षा, प्रशिक्षकों की गुणवत्ता और खिलाड़ियों के रिकार्ड को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। कई स्थानों पर रिहायशी इलाकों और होटलों में बिना अनुमति फिटनेस सेंटर चलाए जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा और मानकों पर सवाल उठ रहे हैं। 15 हजार होगी फीस-खेल विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव के अनुसार जिम और स्पोर्ट्स क्लबों के पंजीकरण की प्रक्रिया आनलाइन की जाएगी। इसके लिए खेल साथी पोर्टल पर नया विकल्प जोड़ा दिया गया है। अभी पंजीकरण शुल्क 15 हजार रुपये प्रतिवर्ष करने की तैयारी है। यह राशि जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली जिला खेल प्रोत्साहन समिति के खाते में जमा होगी। खेल विभाग के नए नियमों की प्रस्तावित गाइडलाइन- जिम परिसर में हर समय चालू हालत में सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। सभी ट्रेनर और कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। महिला सदस्यों के लिए महिला ट्रेनर की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। उभरते खिलाड़ियों का बड़ा डेटाबेस तैयार करेगा। बाडी बिल्डिंग, फिटनेस और अन्य खेल गतिविधियों से जुड़े प्रतिभाशाली युवाओं को चिन्हित कर उन्हें सरकारी योजनाओं और खेल कोटे का लाभ देने की योजना है। अधिकारियों का मानना है कि कई प्रतिभाएं छोटे जिमों तक सीमित रह जाती हैं। पंजीकरण व्यवस्था लागू होने से ऐसे खिलाड़ियों तक विभाग की पहुंच आसान होगी।नया नियम बन गया है जिसमें सभी निजी जिमों, स्वीमिंग पुल और फिटनेस सेंटरों को निर्धारित मानकों का पालन करना होगा। बिना पंजीकरण संचालित संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी निगरानी करेंगे।- डॉ. आरपी सिंह, खेल निदेशक।

ठाकुरद्वारा में ग्रामीण बैंक शाखा में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

ठाकुरद्वारा स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा में आग लग गई। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की ठाकुरद्वारा शाखा में शुक्रवार सुबह आग लगने से अफरा तफरी मच गई। बैंक की दूसरी मंजिल से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस, दमकल विभाग और नगर पालिका को

सूचना दी। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सकाबैंक के पास स्थित सीमा मेडिकल स्टोर के संचालक यासीन खां ने सबसे पहले बैंक की दूसरी मंजिल से धुआं निकलते देखा। उन्होंने आसपास के लोगों को सूचना दी। इसके बाद स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर दमकल विभाग और नगर पालिका की टीम पानी के टैंकरों के साथ मौके पर पहुंची।बैंक भवन के पिछले हिस्से से सीढ़ी लगाकर दमकल कर्मी और अन्य कर्मचारी अंदर पहुंचे तथा आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले राहत और बचाव कार्य के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग बुझाने में नगर पालिका की टीम और स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया।बैंक के शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में बैंक के अंदर रखा फर्नीचर, विद्युत वायरिंग और अन्य सामान जलकर नष्ट होने की बात सामने आई है। हालांकि बैंक का स्ट्रांग रूम और लॉकर पूरी तरह सुरक्षित पाए गए जिससे किसी तरह की नकदी या महत्वपूर्ण दस्तावेजों के नुकसान की सूचना नहीं है।

रामपुर में 'ऑपरेशन भैंस': कुर्बानी से पहले छत पर चढ़ी, पकड़ने गए लोगों को दौड़ाया

टांडा के गांव मुतियापुरा में बकरीद की कुर्बानी के लिए लाई गई भैंस कसाई के हाथ से छूटकर मकान की छत पर चढ़ गई। उसे नीचे उतारने के लिए ग्रामीणों ने घंटों प्रयास किए। इसके बाद वह छत से नीचे कूद गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। रामपुर जिले के टांडा तहसील क्षेत्र के गांव मुतियापुरा में बकरीद पर एक भैंस ने छत पर चढ़ गई। उसके इधर-उधर दौड़ने लगी। अफरा तफरी मचने के बाद मौके पर भीड़ जुट गई।दरअसल, कुर्बानी के लिए लाई गई भैंस

अचानक कसाई के हाथ से छूट गई और भागते-भागते मकान की छत पर जा चढ़ी। भैंस को नीचे उतारने के लिए ग्रामीणों ने घंटों मशक्कत की।कई लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन हर बार उन्हें चकमा देती रही। कभी एक कोने से दूसरे कोने तक दौड़ती तो कभी पकड़ने वालों की ओर झपट पड़ती। इससे मौके पर हंगामा मच गया। भैंस के छत पर चढ़ने की खबर फैलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां तमाशबीनों की भीड़ लग गई। लोग अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने लगे। इस बीच भीड़ की आवाज सुनकर और लोगों के भगाने पर भैंस छत से नीचे कूद गई। उसके पैर में चोट लग गई। काफी देर तक चले ग्रामीणों के %ऑपरेशन भैंस% का अंत हुआ। अब घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

यात्री ध्यान दें... शाहजहांपुर-रोजा में चार जून तक ब्लॉक, कई ट्रेनें चार घंटे तक रहेंगी लेट

उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के शाहजहांपुर और रोजा स्टेशनों पर 29 मई से 4 जून तक ट्रैक टैम्पिंग कार्य के कारण ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा। इससे कई एक्सप्रेस ट्रेनें चार घंटे तक देरी से चलेंगी, जबकि कुछ पैसेंजर ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा।उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के शाहजहांपुर एवं रोजा स्टेशन पर रेल पटरियों की मजबूती और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए ट्रैक टैम्पिंग कार्य किया जाएगा। इसके लिए 29 मई से चार जून तक ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा, जिससे कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। कई एक्सप्रेस ट्रेनें चार-चार घंटे देरी से चलाई जाएंगी, जबकि कुछ पैसेंजर ट्रेनों का शार्ट टर्मिनेशन और ओरिजिनेशन किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के

अनुसार ट्रैक टैम्पिंग के तहत पटरियों के नीचे बिछी गिट्टी को विशेष मशीनों से व्यवस्थित और मजबूत किया जाता है। इससे ट्रैक की स्थिरता बढ़ती है और ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित व सुगम बनता है। यह रेलवे ट्रैक के नियमित अनुरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस 230 मई और दो जून को चार घंटे देरी से चलेगी

ट्रेन संख्या संख्या 15074 टनकपुर-सिंगरौली एक्सप्रेस 29 मई को टनकपुर से 240 मिनट देरी से चलेगी। गाड़ी संख्या 15076 त्रिवेणी एक्सप्रेस 31 मई और तीन जून को टनकपुर से चार घंटे विलंब से रवाना होगी। ट्रेन संख्या 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस 28 मई, 30 मई और दो जून को जम्मूतवी से 240 मिनट पुनर्निर्धारित होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस 28 मई, 30 मई और दो जून को लालगढ़ से चार घंटे देरी से रवाना होगी। गाड़ी संख्या 13042 जम्मूतवी-हावड़ा एक्सप्रेस 28 मई को जम्मूतवी से 240 मिनट पुनर्निर्धारित होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस 2 जून को जम्मूतवी से तथा गाड़ी संख्या 12588 जम्मूतवी-गोरखपुर एक्सप्रेस 30 मई को जम्मूतवी से चार घंटे देरी से चलाई जाएगी। पैसेंजर ट्रेनों का बदला संचालन ट्रेन संख्या 55059 सीतापुर-शाहजहांपुर पैसेंजर 30 मई और एक जून को रोजा स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट होगी। वहीं ट्रेन संख्या 55060 शाहजहांपुर-सीतापुर पैसेंजर उक्त तिथियों में रोजा स्टेशन से ही शार्ट ओरिजिनेट की जाएगी।सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि शाहजहांपुर-रोजा में 29 मई से चार जून तक पटरियों पर काम होगा। जिससे ब्लाक लिया जा रहा है।

मुरादाबाद में 26 घंटे बिजली गुल, रात 12 बजे MLC का घर घेरा; अधिकारियों ने नहीं उठाया फोन

मुरादाबाद में तेज हवा और बरसात के कारण 26 घंटे तक बिजली गुल रहने से लोग परेशान हो गए। नाराज निवासियों ने भाजपा एमएलसी गोपाल अंजान के आवास का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया, जहां एमएलसी ने अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया।मुरादाबाद में तेज हवा से 26 घंटे बिजली गुल। नाराज लोगों ने एमएलसी का घर घेरा। एमएलसी ने बिजली अधिकारियों को फोन मिलाया, पर जवाब नहीं। तेज हवा और बरसात के चलते गुरुवार की रात करीब दस बजे शहर समेत पूरे जिले की बिजली गुल हो गई थी। दोपहर तक शहर के अधिकांश मुहल्लों में बिजली आ गई थी, लेकिन नया मुरादाबाद, 52 कोठी, रेल विहार, रेल कुंज, समेत दिल्ली रोड की कई कालोनियों में जब 26 घंटे बाद भी बिजली नहीं पहुंची तो लोग नाराज हो उठे। आधी रात को पहले लोग विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचे। यहां पर जमकर नारेबाजी करते हुए हंगामा किया, लेकिन इसके बाद भी सुनवाई नहीं होने पर वह महिलाओं के साथ एमएलसी गोपाल अंजान व्यस्त के आवास पर पहुंच गए। आवास का घेराव करते हुए नारेबाजी करनी शुरू कर दी।26 घंटे बाद भी बिजली न मिलने से गुस्साए लोग एमएलसी ने लोगों के बीच पहुंचकर बिजली विभाग व प्रशासनिक अधिकारियों को फोन किए, लेकिन पुलिस के अलावा किसी ने उनका फोन रिसीव नहीं किया। इसके अलावा शहर के दौलत बाग, नागफनी, दीवार का बाजार, तहसील स्कूल, बंगला गांव, डिप्टी गंज, अंडे वालान, अकबर कंपाउंड, डहेरिया मुहल्ला, तारों वाली गली, शिव विहार कालोनी, होलिका मैदान समेत आधे शहर की बिजली शुक्रवार दोपहर तक गुल रही।एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त लोगों के बीच बैठ अफसरों को मिलाते रहे फोन दिल्ली रोड स्थित नया मुरादाबाद समेत कई कॉलोनी के लोग शुक्रवार की रात करीब 12 बजे तक बिजली का इंतजार करते रहे, लेकिन 26 घंटे बाद भी जब लोगों को बिजली नहीं मिली तो वह विद्युत उपकेंद्र होते भाजपा एमएलसी के आवास पर पहुंच गए। लोगों ने घर का घेराव करते हुए नारेबाजी करनी शुरू कर दी। नहीं हुआ फोन रिसीव- घर के बाहर नारेबाजी होता देख एमएलसी लोगों के बीच आ गए। उन्होंने लोगों का आक्रोश देखते हुए तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन मिलाना शुरू कर दिया, लेकिन किसी ने भी उनका फोन रिसीव नहीं किया। आने से घरों में लगे इन्वर्टर भी जवाब दे गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार बिजली विभाग को शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। कंजरी सराय के काजी सराय में आंधी के चलते एक बिजली का खंभा झुक गया था। इसके चलते विद्युत आपूर्ति बाधित हुई।रात में जब तेज हवा शुरू हुई तो उसी समय बिजली गुल हो गई। पूरी रात बिजली गायब रही। लोग पूरी रात नहीं सो पाए। अधिकारियों को फोन किया तो किसी ने रिसीव भी नहीं किया। दोपहर में बिजली मिली। साहिल शम्सी, डहरिया मुहल्ला% %अचानक तेज आंधी आई और उसके साथ ही बिजली गुल हो गई। लोग रातभर जागते रहे। बिजली विभाग के नंबर पर लगातार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परवेज, अकबर कंपाउंड% %तेज हवा शुरू होते ही इलाके की बिजली चली गई और पूरी रात नहीं आई। लोगों को मोबाइल की रोशनी में रात काटनी पड़ी। अधिकारियों को कई बार काल किया गया, मगर किसी ने रिसीव नहीं किया। जतिन, बंगला गांव% %रात करीब दस बजे तेज हवाएं चलीं और उसी समय बिजली गुल हो गई। पूरी रात लोग गर्मी और उमस से परेशान रहे। रात में सो नहीं सके। सड़कों पर खड़े होकर किसी तरह रात गुजारी। मनु ठाकुर, डिप्टी गंज% %पूरी रात इलाके में अंधेरा छाया रहा और लोग सो नहीं पाए। बिजली विभाग को सूचना देने के लिए कई बार फोन किया गया, लेकिन कहीं से कोई जवाब नहीं मिला। दोपहर में बिजली बहाल होने के बाद राहत मिली। फरीद, दौलत बाग

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

परिवहन विभाग का अवैध बसों और डग्गामार वाहनों पर कसा शिकंजा , 12 वाहन बंद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । परिवहन विभाग ने अवैध यात्री वाहनों और अवैध स्टैंड संचालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जबरदस्त चेकिंग अभियान चलाया है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के निर्देशन में 29 और 30 मई को सैटेलाइट बस स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना वैध परमिट, फिटनेस, बीमा और जरूरी दस्तावेजों के संचालित हो रहे वाहनों की सघन जांच की गई। कार्रवाई में एक अवैध बस का चालान किया गया, जबकि 12 डग्गामार ईको वाहनों को बंद कराया गया। इतना ही नहीं, बस स्टैंडों के आसपास संचालित हो रहे अवैध स्टैंडों को भी हटवाया गया और संबंधित संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों और संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने सभी अभिलेख अद्यतन रखें तथा केवल वैध परमिट और निर्धारित शर्तों के अनुसार ही वाहन संचालन करें।

56 भोग, गोवर्धन पूजा और भक्ति का महासंगम: गोविंद देव गिरी ने सुनाया जीवन का सार

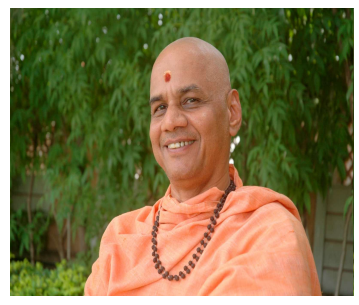

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर, मॉडल टाउन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर गोवर्धन पूजा पर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री ठाकुर जी को 56 भोग अर्पित किए गए। परम पूज्य राष्ट्रीय संत गोविंद देव गिरी जी महाराज ने कथा व्याख्यान में कहा कि मनुष्य की महानता उसके उपयोगी होने में है। जीवन तभी सार्थक है जब वह समाज, राष्ट्र और मानवता की भलाई के लिए समर्पित हो। उन्होंने गजेंद्र मोक्ष प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि संकट के समय जब सभी साथ छोड़ देते हैं, तब सच्चे मन से की गई भगवान की प्रार्थना ही जीवन का सहारा बनती है। कथा से पूर्व महाराज ने श्री युगल जोड़ी सरकार एवं अन्य देवी-देवताओं के चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महिला मंडल की सदस्याओं ने पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि प्रतिदिन कथा से पूर्व डॉ. बृजेश यादव द्वारा सायं 4:30 से 5:30 बजे तक मानस चर्चा भी आयोजित की जा रही है। कथा के अंत में रवि छाबड़ा ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बरेलीवासियों के लिए यह आध्यात्मिक आयोजन परम सौभाग्य का विषय है। कार्यक्रम में सुशील अरोड़ा, विश्वनाथ सेकसरिया, कृष्ण कुमार मोहता, राज कुमार अग्रवाल, अनिल अरोड़ा, संजय आनंद, गोविंद तनेजा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हिंदू जागरण मंच व स्वाभिमान सुरक्षा समिति ने चौकी प्रभारी से की शिष्टाचार भेंट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हिंदू जागरण मंच एवं स्वाभिमान सुरक्षा समिति के पदाधिकारियों ने जिला सहप्रचार प्रमुख सर्वेश सैनी के नेतृत्व में रिठौरा चौकी इंचार्ज राजीव कुमार शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पदाधिकारियों ने चौकी प्रभारी को भगवान श्री राधाकृष्ण की प्रतिमा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। चौकी प्रभारी से मुलाकात के दौरान जिला सहप्रचार प्रमुख सर्वेश सैनी ने कहा कि उनका संगठन सदैव न्याय हित और जनहित के लिए कार्य करता है। संगठन के पदाधिकारियों ने चौकी इंचार्ज से नगर की विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने नगर में श्मशान भूमि के बाहर फैले अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाने, स्थानीय धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने तथा प्रसिद्ध भीमसेन मंदिर के चबूतरे पर लगने वाले चाट-पकौड़ी के ठेलों को हटवाने का आग्रह किया, ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। चौकी प्रभारी ने समस्याओं पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से हरिपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह, तेजपाल सक्सेना, सुरेंद्र गंगवार, अंकुश गुप्ता, ओमप्रकाश, ओमवीर गोस्वामी, मोनू गुप्ता, राजू यादव, लेखराज कश्यप, अनिल पटेल, भानू प्रताप, रंजीत, रामसिंह, अनिल सक्सेना, प्रदीप राठौर और बेंचे लाल सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिजली बचाइए, रोशनी बांटिए– डीएम अविनाश सिंह की जनपदवासियों से अपील, एक यूनिट बचाकर बनें हजारों घरों की उम्मीद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जनपदवासियों से बिजली बचाने की भावुक और महत्वपूर्ण अपील की है। डीएम ने कहा है कि आपका एक छोटा सा सहयोग हजारों घरों में रोशनी बनाए रख सकता है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि गर्मी अपने चरम पर है और बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। प्रशासन और बिजली विभाग दिन-रात निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटे हैं, लेकिन यह जिम्मेदारी केवल विभाग की नहीं बल्कि पूरे समाज की है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि घर में बचाई गई थोड़ी सी बिजली किसी दूसरे परिवार के अंधेरे को दूर कर सकती है। किसी बुजुर्ग को राहत, किसी बीमार व्यक्ति को सुविधा और किसी मासूम बच्चे को सुकून भरी नींद दिला सकती है। डीएम ने विशेष रूप से शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक के पीक ऑवर्स में वाशिंग मशीन, वाटर पंप, हीटर और अन्य भारी विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचने की सलाह दी। साथ ही एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने और आवश्यकता के अनुसार ही एयर कंडीशनर चलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली बचाने का संकल्प ले, तो लाखों यूनिट बिजली की बचत संभव है। इससे बिजलीघरों पर भार कम होगा, ट्रांसफार्मर सुरक्षित रहेंगे और पूरे जनपद में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

युवाओं ने उठाया तंबाकू मुक्त भारत का बीड़ा, मैस्कॉट कॉलेज में गूंजी जागरूकता की हुंकार!

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । विश्व तंबाकू निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर मैस्कॉट डिग्री कॉलेज में एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को तंबाकू और धूम्रपान के खतरनाक दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया गया। रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिठौरा के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों ने युवाओं को बताया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग और कई गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों ने कहा कि नशे की यह लत न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है बल्कि परिवार और समाज पर भी बुरा प्रभाव डालती है। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. रजनीश पठानिया और डॉ. रश्मि कत्याल के नेतृत्व में किया गया। वक्ताओं ने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं तंबाकू से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प भी लिया। जागरूकता अभियान में डॉ. पीयूष गुप्ता, डॉ. स्वाति मोहन, डॉ. रजत, डॉ. अभिनव अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जयकरन माथुर, डॉ. सोमा गौड़, संध्या गंगवार, कासिम हुसैन, कुलदीप गंगवार, पूजा शर्मा, अनिल कुमार, अरमान अली, दीपमाला और राजीव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, जनगणना सेल का औचक निरीक्षण

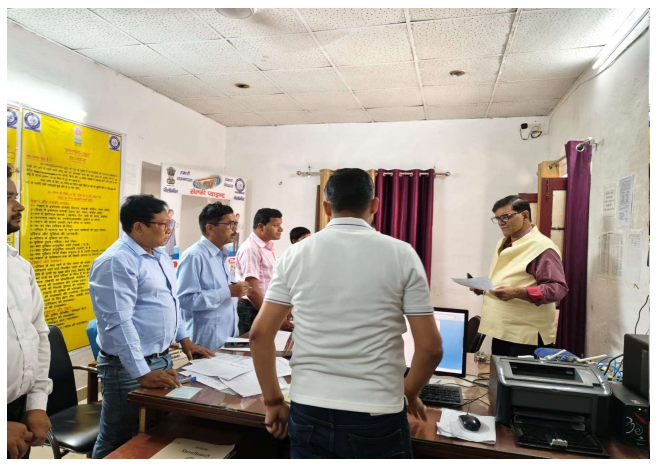

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। जनगणना-2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियों की हकीकत परखने के लिए जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनगणना सेल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित कार्य संपादन के निर्देश दिए। डीएम ने जनगणना से संबंधित अभिलेखों, डाटा संकलन, मकानीकरण और अन्य तैयारियों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त कर कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े सरकार की विकास योजनाओं, नीतियों और संसाधनों के निर्धारण का आधार होते हैं। इसलिए प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता, जवाबदेही और गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जनगणना सेल में उपलब्ध संसाधनों एवं कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। डीएम के औचक निरीक्षण से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में सक्रियता बढ़ी दिखाई दी। इस दौरान जनगणना सेल के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण, बंदियों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों, किशोर बैरक तथा जेल अस्पताल का निरीक्षण किया और बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। जेल अस्पताल में भर्ती बंदियों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी बीमार बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैरकों के निरीक्षण के दौरान डीएम ने बंदियों से भोजन की गुणवत्ता, पेयजल एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने जेल अधीक्षक को शासन के मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा कारागार परिसर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल परिसर की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक, जेलर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

उद्योग विभाग पर मंत्री का सख्त एक्शन मोड़, योजनाओं के प्रचार और रोजगार बढ़ाने के दिए सख्त निर्देश

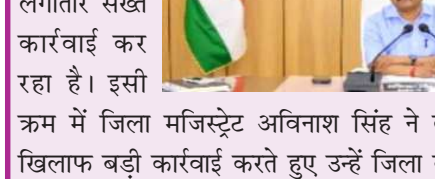

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने शनिवार को सर्किट हाउस में मंडलीय समीक्षा बैठक कर उद्योग विभाग की योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की । मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, युवा स्वरोजगार, ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ उठा सकें। उन्होंने बैंकों के साथ समन्वय बनाकर ऋण शिविर आयोजित करने, योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और लाभार्थियों से नियमित फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए।इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में बंद पड़ी इकाइयों का आवंटन निरस्त कर नए उद्यमियों को अवसर देने पर जोर दिया गया।

अपराधियों पर योगी सरकार का बड़ा प्रहार. डीएम ने दो बदमाशों को किया जिला बदर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। योगी सरकार की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बरेली प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह ने दो अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें जिला बदर कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह ने उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए माह मई 2026 में दो अपराधियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। जिला बदर किए गए आरोपियों में देवरनियां थाना क्षेत्र का शरीफ और इज्जतनगर थाना क्षेत्र का कृष्णा मौर्य शामिल हैं। दोनों के विरुद्ध दर्ज मामलों में धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गुण्डा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि आम जनता को सुरक्षित माहौल मिल सके।

कुर्क जमीन की ऐतिहासिक नीलामी पूरी, किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। तहसील बहेड़ी सभागार में शनिवार को प्रशासन की मौजूदगी में केसर चीनी मिल की कुर्क की गई भूमि की ऐतिहासिक नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। शासन के निर्देशों और सभी विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से अंजाम दिया गया। नीलामी के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), जॉइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी बहेड़ी, जिला गन्ना अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं किसान यूनियन के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों की उपस्थिति में पूरी कार्यवाही कराई गई, जिससे निष्पक्षता और जनविश्वास बना रहे। नामित नीलामी अधिकारी एवं तहसीलदार बहेड़ी द्वारा खुले मंच पर बोली की प्रक्रिया संचालित की गई। इस दौरान 28 करोड़ 5 लाख रुपये की सर्वोच्च बोली प्राप्त हुई, जिसे नियमानुसार दर्ज किया गया। पूरी नीलामी प्रक्रिया पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी गई, साथ ही स्वतंत्र वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की व्यवस्था भी की गई। प्रत्येक चरण का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा गया और सभी पात्र पक्षों को निर्धारित नियमों के तहत भागीदारी का अवसर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नीलामी से प्राप्त धनराशि का उपयोग केसर चीनी मिल पर बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के लिए किया जाएगा। इससे बहेड़ी क्षेत्र के हजारों किसानों को वर्षों से लंबित भुगतान मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

विद्यार्थियों व पालकों पर किसी विशेष विक्रेता से पाठ्यपुस्तक, यूनिफॉर्म या अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने हेतु बाध्य ना किया जाए – कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में संचालित समस्त सीबीएसई विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक कर दिए स्पष्ट निर्देश कलेक्टर ने पालकों एवं विद्यार्थियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने की शिकायतों को लीया गंभीरता विदिशा,– कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में संचालित समस्त सीबीएसई विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों एवं पालकों पर किसी विशेष विक्रेता से पाठ्यपुस्तक, यूनिफॉर्म अथवा अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने हेतु बाध्य ना किया जाए। निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकों को अनिवार्य बनाकर पालकों एवं विद्यार्थियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी है। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। पाठ्यपुस्तकों, शुल्क (फीस) निर्धारण अथवा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में शासन के नियमों के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित करने तथा ऐसे प्रकरणों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं विद्यार्थी हित सर्वोपरि हैं। विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कलेक्टर ने आरटीओ को निर्देशित किया कि विद्यालयीन बसों एवं ऑटो चालकों के चरित्र सत्यापन, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, फिटनेस, बीमा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों द्वारा दोपहिया वाहन चलाकर विद्यालय आने पर प्रभावी रोक लगाने तथा इस संबंध में सतत निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी विद्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे कार्यस्थल पर महिलाओं को एक सुरक्षित माहौल प्रदान हो सके। 10 या

उससे अधिक कर्मचारियों वाले सभी सरकारी और निजी संस्थानों में इसका गठन अनिवार्य है। छात्रवृत्ति से संबंधित फेल्ड बैंक खातों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी विद्यार्थियों के फेल्ड खाते अपडेट करने हेतु समस्त सीबीएसई स्कूल संचालकों/प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कलेक्टर ने विद्यार्थियों के स्कूल बैग का भार निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने पर विशेष बल देते हुए कहा कि बच्चों पर अनावश्यक शैक्षणिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यालयों को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा फायर एनओसी एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा दस्तावेज समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में होमगार्ड विभाग को जिले के सभी विद्यालयों में आपदा प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित व्यवहार एवं बचाव संबंधी उपायों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। अपार आईडी निर्माण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विद्यालयों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का डिजिटल शैक्षणिक रिकॉर्ड भविष्य में विभिन्न शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्तियों एवं अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायक होगा, इसलिए इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। बैठक में नवोदय विद्यालय शमशाबाद एवं केंद्रीय विद्यालय में विद्युत कनेक्शन से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एमपीईबी के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खेल गतिविधियों को शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले का प्रत्येक विद्यालय किसी न किसी खेल विधा में उत्कृष्टता प्राप्त कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने विद्यालयों को खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने हेतु विशेष प्रयास करने को कहा। बैठक में पाठयपुस्तक एवं फीस संबंधी शासन के दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन,विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर एवं शिक्षा विभाग की प्रभारी अधिकारी श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, डीईओ ट्राइबल, आरटीओ, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, आईटीआई, एनसीसी, स्काउट एवं गाइड, यातायात पुलिस, खेल विभाग सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई, कौशल विकास मिशन के छह ट्रेनिंग सेंटर तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट

पारदर्शिता और नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कौशल विकास मिशन के छह ट्रेनिंग सेंटर तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिए गए हैं। डीएम बागपत की रिपोर्ट पर मिशन निदेशक ने यह कार्रवाई की।उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने पारदर्शिता और नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बागपत के छह कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों को तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है।आधिकारिक आदेश के अनुसार, इन संस्थानों पर वित्तीय वर्ष 2026-27 से लेकर 2028-29 तक के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस अवधि के दौरान इन्हें मिशन की ओर से कोई भी नया काम या प्रोजेक्ट अलॉट नहीं किया जाएगा। मिशन निदेशक ने इन सभी छह केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश जारी किया है। साथ ही उन्होंने अन्य जिलों के जिलाधिकारियों से उनके जिलों में संचालित कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने का अनुरोध किया है, ताकि युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलना सुनिश्चित हो सके।23 मई को हुआ था औचक निरीक्षण

यह पूरी कार्रवाई बागपत के जिलाधिकारी की गोपनीय और विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। दरअसल, जिला कौशल समिति की यह अहम जिम्मेदारी होती है कि जिले में चल रहे सभी प्रशिक्षण केंद्र मानकों के अनुसार सही तरीके से संचालित हों। इसी क्रम में डीएम बागपत ने 23 मई को जिले के सभी कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का औचक निरीक्षण करवाया था। जांच के दौरान इन छह केंद्रों पर गंभीर अनियमितताएं, मानकों की अनदेखी और गड़बड़ियां पाई गईं। रिपोर्ट मिलते ही डीएम ने इन दागी संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट करने की संस्तुति शासन और मिशन मुख्यालय को भेजी थी।

ये छह संस्थान हुए ब्लैकलिस्ट जांच में दोषी पाए जाने के बाद इन संस्थाओं पर लटका ताला = भारतीय महिला कल्याण एवं शो ध संस्थान नक्श वेंचर प्राइवेट लिमिटेड मिशन ऑफ स्किल इंडिया फाउंडेशन टेक मैक वैल्यूअर एलएलपी आर्यभट्ट एजूकेशन रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट समिति जन चेतना युवा क्लब उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि किसी भी प्रशिक्षण संस्था द्वारा मानकों की अनदेखी, फर्जीवाड़ा या प्रशिक्षार्थियों के हितों से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। बागपत में जिन संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है, वह स्पष्ट संदेश है कि मिशन पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। सभी प्रशिक्षण प्रदाताओं को निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करना होगा, अन्यथा उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों ने उत्साह के साथ मनाया हिन्दी पत्रकारिता दिवस, भगतपुर में हुआ भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद।हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर जनपद मुरादाबाद के थाना भगतपुर क्षेत्र में पत्रकारों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक पत्रकारों ने एकत्र होकर हिन्दी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास, उसकी वर्तमान चुनौतियों तथा समाज के प्रति पत्रकारों की जिम्मेदारियों पर चर्चा की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि सतेन्द्र प्रकाश (सर्किल ऑफिसर) पेथोलोजीस्ट- रजनी चौधन ने उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करते हैं

तथा निष्पक्ष और तथ्यात्मक समाचारों के माध्यम से जनता की आवाज को शासन-प्रशासन

तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सभी उपस्थित पत्रकारों को पेन और डायरी भेंट कर सम्मानितकिया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले पत्रकारों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम पत्रकारों का उत्साहवर्धन करते हैं और उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन और अधिक निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में हिन्दी पत्रकारिता के जनक माने जाने वाले पंडित जुगल किशोर शुक्ल के योगदान को भी याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता ने देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कार्यक्रम का समापन पत्रकारों के बीच आपसी संवाद, विचार-विमर्श और हिन्दी पत्रकारिता को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ। इस दौरान सभी पत्रकारों ने निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित की पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि, सतेन्द्र प्रकाश (सर्किल ऑफिसर) उत्तराखंड, पेथोलोजीस्ट- रजनी चौधन मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालक = जाबिर हुसैन, रहमान हुसैन रहे, इस कार्यक्रम में भगतपुर से फारूक अहमद, शमशुद्दीन, ताहिर हुसैन, साजिद अली, ठाकुरद्वारा से आये एक्टिव प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश चौधरी, एक्टिव प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा जी, शमशेर मलिक, मिर्जा ग़ालिब, वसीम अब्बासी, नईम खान राजा, दिनेश शर्मा, डिलारी से नाजिम हुसैन, बारिश खान, अनीस अहमद, मोहम्मद आसिफ, अनीस हमजा, युनुस सलमानी, जफर अहमद, नईम हुसैन, नबाव मसूदी, नफीस व क्षेत्र के सभी गण मान्य व्यक्ति, पुलिस मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

पीलीभीत में बुर्का पहन पूर्व पत्नी से मिलने पहुंचा शख्स, ग्रामीणों ने बदमाश समझकर पीटा

पीलीभीत के पौटां कलां गांव में शनिवार को एक व्यक्ति को बुर्का पहनकर अपनी पूर्व पत्नी से मिलने जाना महंगा पड़ा। ग्रामीणों ने उसे अपहरणकर्ता समझकर पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बचाया। पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के पौटां कलां गांव में शनिवार को एक अजीबोगरीब घटना सामने आई। पहुंचा, जिसे ग्रामीणों ने अपहरणकर्ता समझ पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। रईस शनिवार सुबह 11 बजे पौटां कलां हो चुका था। रईस ने अपनी पहचान छिपाने छिपते-छिपाते उसके घर की ओर जा रहा लोगों को उसकी चाल-ढाल पर संदेह हुआ। उसे रोका और चेहरे से नकाब हटाने को दिया। देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा कर दिया। स्थानीय पुलिस को घटना की मशक्कत के बाद रईस को भीड़ के चंगुल से प्रभारी ने बताया कि रईस के खिलाफ कोई में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया गया। यह कदम कानून वायरल-इस पूरी घटना का वीडियो मौके मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रील हुई है। ग्रामीणों के बीच इस घटना को

एक व्यक्ति अपनी पूर्व पत्नी से मिलने के लिए बुर्का पहनकर लिया। ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना पर थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला मो. बशीर खां निवासी मोहम्मद गांव पहुंचा। उसका अपनी पूर्व पत्नी से आठ महीने पहले तलाक और पूर्व पत्नी से मिलने के लिए बुर्का पहन रखा था। वह था। गांव की पुरानी बाजार के पास से गुजरते समय कुछ स्थानीय पुलिस ने भीड़ से रईस को बचाया – शक गहराने पर लोगों ने कहा। बुर्के के भीतर एक पुरुष को देखकर ग्रामीणों ने शोर मचा हो गई। लोगों ने रईस को अपहरणकर्ता समझकर पीटना शुरू सूचना मिली और वे तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने काफी छुड़ाया और सुरक्षित थाने ले गई।पुलिस ने की कार्रवाई थाना लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। हालांकि, पुलिस ने इलाके की। संदिग्ध गतिविधियों के चलते रईस को शांति भंग की धारा व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया। घटना का वीडियो पर मौजूद लोगों ने बना लिया था। यह वीडियो अब सोशल और वीडियो के जरिए यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं।

रिश्वत के 40 हजार में धराए साहब! जालौन से बागपत तक लक्ष्मी साधना का सफर आखिर थम ही गया?

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जालौन से बागपत तक वसूली की गूंज डकैत गए, दफ्तर वाले डकैत आ गए! रिश्वत लेते पकड़े गए पूर्ति अधिकारी %हमाये समाज के हैं% का सिर्फ भ्रम, साहब हैं तो सिर्फ पैसे के पुजारी- कटु सत्य कहते हैं कि डकैतों का दौर खत्म हो गया है, लेकिन जनता पूंछ रही है कि क्या सचमुच डकैत खत्म हुए हैं या सिर्फ सिस्टम बदल गया है? कभी बीहड़ों में बंदूक लेकर लूटने वाले डकैतों का खौफ था, आज दफ्तरों में कुर्सी पर बैठे कुछ भ्रष्ट अफसरों का डर है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले लूट खुलेआम होती थी, अब फाइलों और मुहरों के बीच होती है। जालौन में तैनात रहे पूर्ति अधिकारी अनूप तिवारी वर्तमान में बागपत में तैनात हैं और एंटी करप्शन टीम ने उन्हें कथित रूप से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए धर कर लिया। खबर सामने आते ही जालौन में भी चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। लोग पुराने दिनों को याद कर रहे हैं और सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर जिन शिकायतों की फुसफुसाहट यहां सुनाई देती थी, उनका कभी हिसाब क्यों नहीं हुआ? जनता के बीच चर्चा है कि जालौन में रहते हुए साहब ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आरोप है कि व्यवस्था ऐसी बना दी गई थी कि बिना सेवा शुल्क के काम होना मुश्किल माना जाता था। हालांकि यह सब आरोप और जनचर्चाएं हैं, लेकिन बागपत की घटना ने उन चर्चाओं को फिर हवा दे दी है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब किसी जाति का अधिकारी किसी जिले में आता है तो उस जाति/समाज के कुछ लोगों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। उन्हें लगता है कि हमारे समाज का अफसर आया है, अब हमारी चलेगी, साहब की नजरें इनायत समाज के ऊपर ज्यादा रहेगी। लेकिन हर बार हकीकत कुछ और ही कहानी कहती नजर आती है। सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार की कोई जाति होती है? क्या रिश्वत लेते समय अधिकारी जाति, समाज और बिरादरी का हिसाब लगाता है? जनता का अनुभव तो यही कहता है कि साहब की सबसे बड़ी जाति पैसा होती है और सबसे बड़ा धर्म वसूली। बाकी समाज, बिरादरी और रिश्ते अक्सर भाषणों तक ही सीमित रह जाते हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि जब एक अधिकारी 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा जाता है तो क्या यह सिर्फ एक व्यक्ति की गलती है या फिर पूरे सिस्टम की बीमारी? और यदि जालौन में उनके कार्यकाल को लेकर भी इतने सवाल उठते रहे, तो क्या कभी उन सवालों की निष्पक्ष जांच होगी? फिलहाल जनता यही कह रही है-साहब हमाये समाज के हैं का भ्रम छोड़िए, क्योंकि साहब समाज नहीं, अक्सर सिर्फ %नकद नारायण% को पहचानते हैं। और जब एंटी करप्शन का जाल पड़ता है, तब जाति नहीं, सिर्फ रिश्वत की रकम गिनी जाती है।

गोमांस तस्करी में संलिप्त गैंगस्टर के विरुद्ध जिला प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / गैंगस्टर एक्ट के तहत 168 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क के आदेश गोमांस तस्करी एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त गैंगस्टर के विरुद्ध जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत लगभग 168 करोड़ 13 लाख 32 हजार 600 रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा जिला मजिस्ट्रेट बिजनौर और पुलिस अधीक्षक जालौन की आख्या एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर एवं उसके गिरोह के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत है। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि गिरोह द्वारा योजनाबद्ध तरीके से गोमांस तस्करी, फर्जी दस्तावेजों एवं अन्य अवैध गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक लाभ अर्जित किया गया तथा उसी अवैध धन से विभिन्न संपत्तियां खरीदी गईं। उन्होंने बताया कि आरोपी द्वारा जनपद बिजनौर स्थित ग्राम याकूबपुर क्षेत्र में खरीदी गई भूमि तथा निर्मित ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस का मूल्यांकन कराया गया, जिसमें भूमि एवं भवन का कुल मूल्य लगभग 168.13 करोड़ रुपये आंका गया। जांच में यह संपत्ति अपराध से अर्जित धनराशि से निर्मित पाई गई, जिसके आधार पर गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई की गई है। प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत संगठित अपराध, गो-तस्करी, अवैध कारोबार तथा अपराध से अर्जित संपत्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी ताकि जनपद में कानून का राज और अधिक सुदृढ़ हो सके। यह कार्रवाई संगठित अपराधियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों को किसी भी स्थिति में संरक्षण नहीं दिया जाएगा तथा कानून के दायरे में लाकर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आंधी-तूफान के बाद जिलाधिकारी की त्वरित पहल, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था बहाल करने हेतु टीम गठित कर दिए कार्यवाही के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / विद्युत विभाग, जल संस्थान एवं जल निगम अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक, आमजन को राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता जनपद में 28 की बीती रात आए तेज आंधी-तूफान एवं खराब मौसम के कारण कई क्षेत्रों में विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने के दृष्टिगत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग, जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर राहत एवं पुनर्स्थापना कार्यों की समीक्षा की तथा युद्धस्तर पर कारवाही हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुविधाओं की बहाली प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी क्षेत्र में विद्युत अथवा पेयजल संकट की स्थिति नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त विद्युत पोल, टूटे तारों एवं अन्य तकनीकी बाधाओं का सर्वेक्षण कार्य तेजी से पूर्ण करते हुए युद्धस्तर पर मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति बहाल कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में सर्वेक्षण पूर्ण हो चुका है वहां विद्युत व्यवस्था बहाल करने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल संस्थान एवं जल निगम को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर लगातार निगरानी बनाए रखें, शिकायतों का त्वरित निस्तारण करें तथा विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति की स्थिति से समय-समय पर प्रशासन को अवगत कराते रहें। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा की स्थिति में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर विषयक सीएमई का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /आज राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में आरआरटीसी (RRTC) कार्यक्रम के सहयोग से मातृ एवं नवजात मृत्यु दर से संबंधित एक सतत चिकित्सा शिक्षा (CME) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सीएमई में जिला महिला चिकित्सालय एवं सीएचसी बिसौली के चिकित्सकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप-प्राचार्या डॉ. नेहा सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. नेहा सिंह ने कहा कि आरआरटीसी कार्यक्रम मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा मृत्यु दर में कमी लाने हेतु प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर आरआरटीसी नोडल अधिकारी डॉ. सीमा सरन , डॉ. जया भारती, डॉ. अर्चना, डॉ. कपिल तथा आरआरटीसी कार्यक्रम समन्वयक ब्रजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

कड़कड़ाती धूप और भारी दोपहरी में तपस्या में लीन तपस्वी, ग्राम बारोद के जटाशंकर मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ ?बरोद । क्षेत्र के ग्राम बारोद स्थित जटाशंकर मंदिर इन दिनों क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष आस्था और कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। यहाँ कड़कड़ाती धूप और भारी दोपहरी में भी एक तपस्वी की कठिन साधना और तपस्या में लीन दिखाई दे रहे हैं। ?मुहासा हनुमान मंदिर के पुजारी श्री रामरत्न शर्मा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन तपस्वी जी का नाम अमित दास उम्र लगभग 23 है।

वे पिछले 5 वर्षों से बारोद मुहासा के इसी प्रसिद्ध जटाशंकर मंदिर में निवास कर रहे हैं। महाराज जी के अनुसार, तपस्वी अमित दास जी ने लोक-कल्याण और अपनी विशेष साधना के लिए 41 दिनों की कठिन तपस्या का कड़ा संकल्प लिया है। ?चारों दिशाओं में धूनी रमाकर कर रहे साधना पुजारी जी ने बताया कि तपस्वी जी हर दिन भारी दोपहरी के 12 बजे से 2 बजे तक समय अपने चारों ओर अग्नि (धूनी) जलाकर, कड़कती धूप के बीच लगातार दो घंटे तक इसी तरह मौन और अडिग होकर तपस्या करते हैं। इस कठिन साधना को देखने और तपस्वी जी का आशीर्वाद लेने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु जटाशंकर मंदिर पहुँच रहे हैं। तपस्वी जी के इस कठिन संकल्प और अटूट श्रद्धा को देखकर हर कोई नतमस्तक है।

बीटेक छात्र का बेड पर मिला शव, गले में लिपटी थी चादर, 4-5 माह पहले पिता ने भी की थी खुदकुशी

शनिवार को प्रैक्टिकल के कारण ताऊ जगाने पहुंचे तब घटना का पता चला। मामला नजीराबाद का है। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई।नजीराबाद थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र का शव उसके कमरे में बेड पर औंधे मुंह पड़ा मिला। उसके गले में चादर लिपटी थी। करीब चार-पांच महीने पहले उसके शिक्षक पिता ने भी खुदकुशी की थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जवाहरनगर कमला नेहरू पार्क के पास निवासी अमन शुक्ला उर्फ हर्ष (23) का शनिवार सुबह बेड पर शव मिला।ताऊजी अनिल शुक्ला ने बताया कि भतीजा मंधना स्थित केआईटी कॉलेज से कंप्यूटर साइंस से बीटेक कर रहा था और थर्ड ईयर का छात्र था। शनिवार को भतीजे का प्रैक्टिकल था इसलिए वह उसे सुबह उठाने पहुंचे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर दरवाजा खटखटाने के बाद कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई जहां कमर के ऊपर का हिस्सा बेड पर व पैर गांठ के बल जमीन पर टिके मिले।शव देख बिलख पड़े परिजन

अंदेशा जताया जा रहा है कि फंदा लगाने के बाद वह नीचे गिर गया होगा। रुंधे गले से ताऊ ने बताया कि गोंडा में तैनात अमन के शिक्षक पिता दुर्गेश शुक्ला ने भी खुदकुशी कर ली थी। बेटे की मौत के बाद मां नीलम और उसके छोटे भाई इंटर के छात्र सनी बिलख पड़ा। नजीराबाद थाना प्रभारी पवन सिंह ने बताया कि घटना के पीछे का पिता की मौत का अवसाद लग रहा है। परिजन खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं कर सके।

संक्षिप्त समाचार

पंचानन चौराहा के पास बन रहे बिना नक्शा मकान ,सरकार को लग रहा राजस्व का चूना

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच के कैलिया नदीगांव रोड पर इस समय नियम विरुद्ध बिना नक्शे के मकानों का निर्माण चल रहा है जिससे बिनिमित क्षेत्र को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है खास बात यह कि पंचानन चौराहा के पास लोग बड़ी संख्या में बिना नक्शे के अपना अपना मकान बना कर निर्माण कर रहे है सबसे खास बात है है कि इस एरिया में जो प्लाट है जो वर्षों पुराने है और यह नशबंदी कराये जाने पर पट्टा दिया था जिस पर वह अपना मकान बना सके लेकिन इन नशबंधी वाले प्लाटों पर भू माफियाओं की नजर है इन भू माफियाओं और दलालों के खरीदने कर रहे है जो नियम अनुसार गलत है जब की यह पट्टे वाली भूमि को बेचने का अधिकार नहीं है और न ही किसी को खरीदने का अधिकार है लेकिन नगर के कुछ भूमाफिया इस पट्टे की भूमि को लेने की फिराक में है और अवैध कानून विरोधी प्लाट खरीदने का खेल खेला जा रहा है जब नियम यह की पट्टे वाली भूमि पर पट्टा धारक ही निर्माण करा सकता है और इस पट्टे वाली भूमि को बेंच नहीं सकता है और न ही इसकी रजिस्ट्री हुआ करती है अगर प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो यह दलाल और भूमाफिया लोग कोई बड़ी घटना करा सकते है जिससे क्षेत्र का सुखमय वातावरण खराब होने को संभावना है स्थानीय लोगों ने इस मामले में इस ओर ध्यान दे ओर नगर में इस एरिया में बन रहे बिना नक्शे के प्लाटों पर मकान निर्माण कार्यवाही की मांग जनहित में की है

उप जिलाधिकारी ने गौशाला निरीक्षण पर सभी व्यवस्थाएं सही पाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ उपजिला अधिकारी ने अचानक कस्बा में स्थित गौशाला का निरीक्षण कर मौजूद संचालक को निर्देश दिए। शुक्रवार की शाम एसडीएम अमित शेखर ने कदौरा कस्बा हमीरपुर सड़क समीप स्थापित गौशाला का निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान गायों के रखरखाव तथा खाने एवं चरही में भरे पेयजल आदि व्यवस्थाओं को पूरे गौशाला में घूम घूम कर जायजा लिया साथ में अभिलेखों के आधार पर भूसा सही पाया गया उन्होंने गौशाला में बंद गायों पर हाथ फेर कर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली मौजूद संचालक पर खुश हुए उन्होंने कहा की गौशाला की व्यवस्था जो निरीक्षण में मिली है इसी व्यवस्था के तहत गौशाला का प्रतिदिन संचालन करने के निर्देश दिए।

12 साल बेमिसाल ,भाजपा की कार्यशाला

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में एनडीए सरकार के ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण 12 साल विश्वास के,विकास के,जनकल्याण के पूर्ण होने के शुभ अवसर पर भाजपा द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है द्य जिला मीडिया प्रभारी डॉ. राहुल जैन ने बताया कि कार्यक्रमों को लेकर एक महत्त्वपूर्ण बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन दिनांक 1/06/2026 को शाम 4=00 बजे भाजपा जिला कार्यालय में किया जा रहा है द्य जिसमें जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी सहित वरिष्ठ नेतृत्व उपस्थित रहेगाद्य कार्यक्रम हेतु जिला टोली में जिला महामंत्री अनिल सोनकर को संयोजक , रामकृष्ण मीणा को सहसंयोजक एवं श्रीमती बबीता दांगी, मुकेश चौकसे, राज कंवर बघेल को सदस्य बनाया गया है द्य

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Benefits of Muskmelon Seeds: Muskmelon seeds are extremely beneficial for women, learn about their amazing benefits.

Melons are currently available in the market at very cheap prices. They are considered very beneficial. But did you know that among these, they are also very beneficial for women? Here, we will talk about this. Muskmelon is one of the most popular fruits during the summer season. It not only cools the body but also helps in keeping it hydrated. Muskmelon is currently available at very cheap prices in the market, and most people are eating it in abundance for its taste. However, most people remove the seeds and throw them away, whereas these tiny seeds are considered a treasure trove of nutrients. Muskmelon seeds can be extremely beneficial for women's health, especially when consumed regularly and in the right quantities. Let's learn how muskmelon seeds are beneficial for women. 1. Make skin glowing - Muskmelon seeds contain antioxidants, vitamin E, and healthy fats, which nourish the skin from within. They help reduce damage caused by free radicals, keeping the skin healthy and youthful for longer. Consuming these seeds regularly maintains the skin's natural glow and can reduce dryness. They are also considered helpful in keeping the skin hydrated during summer. 2. Strengthens hair - Muskmelon seeds are rich in nutrients like protein, iron, and zinc, which help strengthen hair roots. Consuming these seeds nourishes the hair from within and can help reduce hair fall. They also help keep hair shiny and healthy. 3. Address iron deficiency - Muskmelon seeds are considered a good source of iron, which can help increase hemoglobin in the body. Consuming them can help reduce problems like weakness, fatigue, and dizziness. If taken with a balanced diet, they provide better energy to the body. 4. Strengthens bones: These seeds contain minerals like calcium, magnesium, and phosphorus, which are essential for bone strength. As women age, their bones begin to weaken, so consuming calcium-rich foods is considered essential. Melon seeds can help maintain strong bones and improve joint health. 5. Helps control weight: Melon seeds contain a good amount of fiber, which keeps the stomach feeling full for a long time. This reduces frequent hunger and prevents overeating. If consumed in limited quantities as a healthy snack, they can help maintain weight control. They are also considered helpful in improving metabolism. 6. Beneficial for hormonal health: Hormonal changes in women's bodies often cause many problems. The healthy fats, magnesium, and other nutrients in melon seeds can help maintain hormonal balance. They may also help reduce menstrual weakness and mood swings. Consuming them regularly and in balanced amounts is considered beneficial for women's overall health. The correct way to consume them: Wash and sun-dry melon seeds. Lightly roast them and eat them as a snack. They can also be consumed with smoothies, salads, or dried fruits.

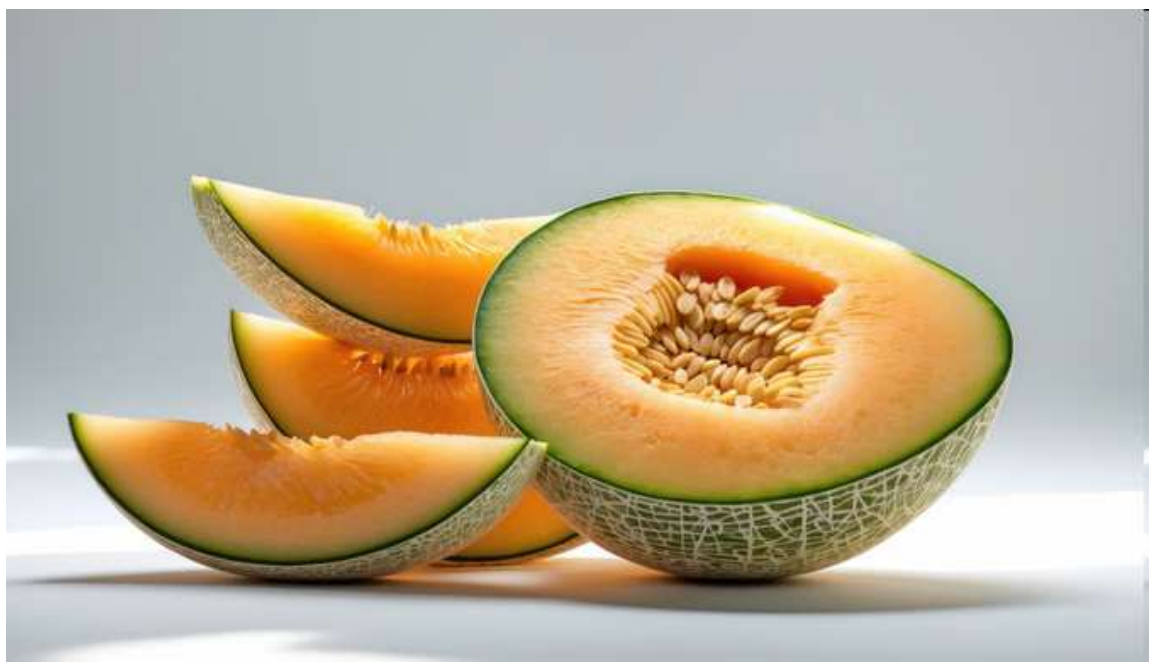

Home Remedy for Prickly Heat: How to Get Relief from Heat Heat? Try These Remedies for Instant Relief

If you've developed heat rash on your back during the summer season, try some home remedies instead of commercially available powders. With the arrival of summer, many skin problems increase, with heat rash being the most common. Due to intense sunlight, sweat, and humidity, red rashes and itching appear on the back, neck, and other parts of the body. Many people use commercially available powders to get relief, but the chemicals in these can sometimes harm the skin. In such a situation, home remedies are considered safer and more effective. Some natural ingredients found at home can help soothe the skin and reduce the burning and itching of heat rashes. The important thing is that they have no side effects. Let's explore some easy and effective home remedies for heat rash relief in the summer. Apply aloe vera gel - The cooling and anti-inflammatory properties of aloe vera help reduce the burning, itching, and redness of prickly heat rash. Apply fresh aloe vera gel directly to the affected area and wash it off after 15-20 minutes. Regular use can soothe the skin. Use sandalwood paste - Sandalwood has long been used to cool the skin. Its natural properties help soothe the burning and itching of prickly heat rash. Applying sandalwood paste to the skin can reduce redness and provide a cooling sensation. You can prepare a paste by mixing sandalwood powder with rose water and apply it to the affected area. Bathe with neem water - Neem has antibacterial and antifungal properties that help prevent skin infections. Prickly heat rash can worsen in the summer due to sweat and dirt, so neem water helps keep the skin clean and cool. To do this, boil neem leaves in water, cool the water, and use it for bathing. This can provide relief from itching and burning. Apply cold yogurt - Yogurt has a cooling effect on the skin. Its natural properties can help reduce skin irritation and itching. Applying cold yogurt to the area affected by prickly heat can provide immediate relief. Leave it on for 10-15 minutes and then rinse with clean water. This also helps keep the skin soft. Use coconut oil - Coconut oil can help moisturize the skin and reduce rashes and itching. It also has antibacterial properties, which help protect the skin from infection. Applying coconut oil gently after bathing can soothe the skin and reduce the discomfort of prickly heat.

Health Study: Every second Indian mother struggles with these two serious problems. Learn about their health impacts.

For most Indian women, the first chapter of motherhood is the most challenging phase physically, mentally, and emotionally. During this time, their health is also impacted in many ways. A recent report has revealed some shocking revelations, which are important for you to know. The health of Indian women has always been a matter of concern. Numerous reports have consistently warned that anemia is a major risk factor for women. Approximately 57% of Indian women and girls suffer from it. In this context, alarm is now being raised about the increasing health problems among Indian mothers. A study conducted by Tria, a well-known hair-care brand, warns that one in two women in the country suffers from stress and sleep deprivation. Both of these conditions can contribute to a variety of physical and mental health problems in the long term. Chronic stress and poor sleep impact not only the mother's health but also the entire family, childcare, and mental health. Experts believe that when the body doesn't get enough rest and nutrition remains inadequate, it increases the risk of hormonal imbalances, high blood pressure, obesity, depression, and heart disease. What did the study find? The study included 76,727 Indian mothers. These included women who were currently pregnant, had children under one year old, or were currently breastfeeding. In the findings, experts shared some startling information. One in two Indian mothers reported inadequate sleep and a high level of stress. More than 53% of Indian mothers reported inadequate sleep. Many mothers reported waking up multiple times a night, sleeping less than five hours, or having difficulty falling asleep. Only 31.57% of mothers described their sleep as restful. 47.35% of mothers described themselves as "very stressed," saying they felt stressed several times a week or almost every day. Chronic stress also impacts mood, concentration, and sleep. Another 34.54% of mothers said they regularly feel stressed, but they try to manage it. Risk of serious health risks: Studies have found that frequent stress and lack of sleep significantly increase the risk of various diseases. Hormonal changes during and after pregnancy can lead to rapid hair loss in many women. Chronic stress, lack of sleep, and physical exhaustion are also known to exacerbate hair problems. Saloni Anand, co-director of Tria Health, explained that it's not just about their hair. It's about the lack of sleep and the stress women face. It's also about the years of their lives spent caring for everyone but themselves. How does sleep deprivation affect women's health? Experts believe that 7-8 hours of sleep is considered essential for a healthy individual, but many Indian women are getting far less than this. Poor sleep affects the body's hormonal system. Lack of sleep increases cortisol, the stress hormone. This can lead to anxiety, irritability, and mental fatigue. Chronic sleep deprivation increases the risk of high blood pressure, diabetes, obesity, and heart disease. Caring for a child disrupts nighttime sleep in new mothers, leading to increased mental and physical exhaustion. How dangerous is constant stress? Mental stress is also rapidly increasing among Indian women. Under stress, the body continuously releases cortisol. Prolonged periods of this affect both the body and mind. Chronic stress can increase the risk of depression, anxiety, and panic disorders. Stress also impacts the digestive system, heart health, and sleep. Mental stress also impacts the family and children, as a mother's mental health impacts the entire home environment.

Pooja Bhatt calls Alia Bhatt an upgraded version of herself, says this special thing about Rhea Kapoor

Filmmaker and actress Pooja Bhatt has heaped praise on her sister Alia. She also shared several special things about Ranbir and Alia's daughter Rhea. Pooja recently spoke candidly about her younger sister Alia Bhatt and her daughter Rhea Kapoor. She described Alia as superior to herself and said that Alia has achieved such remarkable success in the film industry, something she herself couldn't have achieved in her time. Pooja also shared special things about Rhea. "Alia is much smarter than me," she said during an interview. Pooja said that there's a world of difference between her and Alia. According to Pooja, Alia understands the workings of the film industry very well and knows how to play the game brilliantly, a skill Pooja lacked. Furthermore, she praised Alia's film selection, working with excellent directors, and putting in hours of hard work during rehearsals. She said that Alia continues to amaze everyone with her acting. "Rahha is like an upgraded phone," Pooja Bhatt also showered love on Alia and Ranbir Kapoor's daughter, Rhea. Citing a humorous example, she said, "Just like we buy a new phone that has more features and is better than the old one, Alia is better (upgraded) than me. And Rhea is an even more advanced model than Alia." Pooja believes Rhea is a born star. She said Rhea is so attractive that whenever she enters a room, everyone's eyes are fixed on her. However, she jokingly added that if Rhea doesn't grow up to become a NASA scientist, she will definitely become a great actress because of her genes. Pooja's opinion on nepotism: During the conversation, Pooja Bhatt also expressed her opinion on the issue of nepotism. She criticized the hypocrisy of people, saying that on one hand, people oppose star kids and nepotism, but on the other hand, the same people are crazy about Alia and Ranbir's daughter Rhea. Whenever Raha is seen in any stadium or event, the same public expresses their love by shouting her name.

This is how 'Pati Patni Aur Woh Do' fared in front of 'Chand Mera Dil'. How far did Ananya's film reach in a week?

Find out who won between the collections of 'Chand Mera Dil' and 'Pati Patni Aur Woh Do' on Thursday... Currently, the romantic film 'Chand Mera Dil' and the comedy drama 'Pati Patni Aur Woh Do' are currently in theaters. Both films are seeing slower growth. Now, let's find out how both films performed on Thursday. Chand Mera Dil - Ananya Panday and Lakshya's romantic love story 'Chand Mera Dil' is progressing slowly at the box office. The film has now earned ?1.53 crore on its first Thursday, its seventh day. Prior to this, the film's collection on Wednesday was ?1.90 crore. Thus, 'Chand Mera Dil''s first week collection reached only ?18.78 crore. This is how it performed in seven days: 'Chand Mera Dil' had a slow start at the box office. The film opened with just ?3 crore (3.75 crore) on its first day. It then earned ?3.75 crore (3.75 crore) on its third day, the first Sunday. second day and ?4.25 crore (3.75 crore) on its third day, the first Sunday. On its fourth day, Monday, the film earned ?2.25 crore (2.25 crore) and on its fifth day, it earned ?2.10 crore (2.10 crore). On the sixth day, "Chand Mera Dil" collected ?1.90 crore (1.90 crore), while today, on the seventh day, the film earned only ?1.53 crore (1.53 crore). Pati Patni Aur Woh Do - Ayushmann Khurrana's "Pati Patni Aur Woh Do," starring three heroines, is underperforming at the box office. The film earned ?1.31 crore (1.31 crore) on its 14th day, Thursday. Prior to this, on Wednesday, the film had earned ?1.20 crore (1.20 crore). Thus, the film's total collection in 14 days has reached ?41.51 crore (41.51 crore). Pati Patni Aur Woh Do's collection so far - "Pati Patni Aur Woh Do" opened with a box office collection of ?4 crore. The film then earned ?5.75 crore and ?7.75 crore on Saturday and Sunday, respectively. Following this, the film's first-week collections reached only ?29 crore. Now, in its second week, the film has managed to collect only ?12.51 crore. This is why, after 14 days, the film's collections have reached ?41.51 crore.

What's suddenly happened to Karan Johar? He's unfollowed several celebrities, including Shah Rukh Khan and Alia Bhatt, on Instagram.

What's suddenly happened to Karan Johar? Everyone is worried about this. This is because he has unfollowed several of his close friends, including Shah Rukh Khan and Kareena Kapoor, on Instagram. Find out which celebrities Karan has unfollowed... Karan Johar is often in the news for his fashion, films, and statements. Now, once again, Karan Johar is in the news, but this time, the reason is Karan Johar's Instagram. Karan Johar has unfollowed several of his industry friends and celebrities on Instagram. Most notably, this includes Karan Johar's closest friend and King Khan, Shah Rukh Khan. He has also unfollowed Karan's fellow "student" Varun Dhawan. Unfollowing Alia, Kareena, and Sidharth Malhotra: On Thursday, Karan Johar suddenly began unfollowing his close friends from the industry one by one on his Instagram. These include Shah Rukh Khan, Alia Bhatt, and Varun Dhawan, along with Ananya Panday, Kartik Aaryan, Sidharth Malhotra, and designer Manish Malhotra, among others. Interestingly, he still follows actress Priyanka Chopra. As of this writing, Karan's follower count has dropped to just 74. Even his close friends, Kareena Kapoor Khan and Malaika Arora, are no longer included in the list. The reason remains unclear: Karan Johar has suddenly become the talk of the town after unfollowing his close friends and family. However, the surprising reason for this sudden action remains unclear. In such a situation, now people are curious to know whether this is a PR stunt or what is the reason behind Karan taking such a big step. Karan's 'Chand Mera Dil' could not do wonders at the box office - Talking about the work front, Karan Johar's Dharma Production's recently released film 'Chand Mera Dil' is running in theatres these days. The film had a slow start at the box office. After this, after a week, this film is not doing well at the box office. Ananya Pandey and Lakshya have been seen in lead roles in this film. Now his next film is 'Naagzilla', in which Kartik Aryan is in the lead role.